राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार , 31 मार्च 2025

वर्ष 13, अंक 334, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

इक्यावन शक्तिपीठ तीर्थ में होंगे माँ के दिव्य दर्शन....03

राजस्व टीम पर हमला बोलने वाले छह दबोचे.....04

भूकंप से बैंकॉक में अब तक 10 लोगों की मौत, 100 से अधिक लापता

बैंकॉक। म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप के झटकों से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारी तबाही हुई है। इस आपदा में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, 16 घायल हुए हैं और 101 लोग लापता हैं। थाईलैंड के आपदा रोकथाम और शमन विभाग (डीडीपीएम) के अनुसार, बैंकॉक और दो अन्य प्रांतों को आपातकालीन आपदा क्षेत्र घोषित किया गया है। अधिकारी प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन कर रहे हैं। डीडीपीएम के महानिदेशक फासाकॉर्न नुण्यालक ने बताया कि भूकंप से 14 प्रांतों में नुकसान की सूचना मिली है। बता दें कि शुक्रवार दोपहर म्यांमार के मध्य भाग में आए इस भूकंप के बाद थाईलैंड के 57 प्रांतों में झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। बैंकॉक में कई दफ्तरों, रिहायशी इमारतों और कॉन्फ्रेंस सेंटरों को खाली कराकर लोग सड़कों और पार्कों में जमा हो गए। भूकंप के चलते बैंकॉक की मेट्रो और स्काईट्रेन सेवाएं बाधित हुईं, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हालांकि, अधिकांश ट्रेन सेवाएं शनिवार सुबह तक सामान्य हो गईं। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने शनिवार को भूकंप राहत कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि हालात सामान्य हो रहे हैं। झटकों की तीव्रता धीरे-धीरे कम हो रही है। वहीं, इस विनाशकारी भूकंप ने म्यांमार में भयानक तबाही मचाई है। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम के अनुसार, अब तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2,376 लोग घायल हुए हैं और 30 लापता हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन यातायात और संचार नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित होने के कारण राहत अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं। भूकंप का केंद्र सगाइंग क्षेत्र में था। इसके बाद 12 आफ्टरशॉक्स (2.8 से 7.5 तीव्रता के बीच) आए, जिससे हालात और बिगड़ गए। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में मंडालय, बागो, म्यागवे, उत्तरी शान राज्य, सगाइंग और नेप्यीदा शामिल हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस यशवंत वर्मा के मुद्दे पर जारी हड़ताल स्थगित की

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (एचबीए) ने पांच दिन से जारी हड़ताल को स्थगित करने का फैसला किया है। एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक के दौरान शनिवार को यह निर्णय लिया गया। बैठक में एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी भी मौजूद थे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि भले ही हड़ताल स्थगित की गई है, लेकिन न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। एसोसिएशन ने यह भी फैसला किया कि वह जस्टिस यशवंत वर्मा के शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करेगा। न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 26 और 27 अप्रैल को प्रयागराज में एक नेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इस कॉन्फ्रेंस का विषय ÷ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड ट्रांसपेरेंसी इन ज्यूडिशियल सिस्टम÷ होगा। इसमें देशभर के हाई कोर्ट बार एसोसिएशनों के अध्यक्ष, महासचिव और प्रतिष्ठित कानून विशेषज्ञ शामिल होंगे। बार एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति की जांच रिपोर्ट आने के बाद फिर से बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी कि न्यायपालिका में सुधार की दिशा में अगला कदम क्या होगा। इलाहाबाद एचबीए के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा, हमारी लड़ाई न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए है। हड़ताल भले ही स्थगित कर दी गई हो, लेकिन आंदोलन जारी रहेगा। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद बार एसोसिएशन अपनी अगली रणनीति तय करेगा। इससे पहले, जस्टिस यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाई कोर्ट में तबादले के विरोध में इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर नोटों की अधजली गड्डियां मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनका तबादला इलाहाबाद हाई कोर्ट करने की सिफारिश की थी। सरकार ने शुक्रवार को इस सिफारिश पर अपनी मुहर लगा दी थी।

इफको फूलपुर मुक्तांगन परिसर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

प्रबंध निदेशक डॉ अवस्थी का हुआ भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। इफको फूलपुर मुक्तांगन परिसर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि इफको के प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी का राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार पाने पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि प्रबंध निदेशक डॉ यू.एस.अवस्थी ने देश के किसानों के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया। नैनो उर्वरक का उपयोग कृषि उत्पादकता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रबंध निदेशक अवस्थी जी को सहकारिता का अंतरराष्ट्रीय संगठन आईसीए द्वारा ÷रॉसडेल पायनियर अवॉर्ड और सहकार भारती द्वारा फर्टिलाइज़र मैन ऑफ इंडिया का खिताब मिलना हम सभी और इफको संस्था के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट जनों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। सांस्कृतिक संध्या में साधू बैण्ड के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। संध्या भजन में राम आएंगे, अचुतम केशवम राम नारायणम, 70-80 दशक के यादगार गीत कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ,इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं इफको इम्पलाइज संघ के पदाधिकारियों ने 51 किलो की माला पहनाकर प्रबंध निदेशक डॉ यू.एस.अवस्थी जी का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रेखा मिश्रा ने किया। इस दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय वैश्य, महाप्रबंधक क्रमशः ए.पी.राजेन्द्रन, संजय भंडारी,पी.के सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अनीता मिश्रा, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, अरुण कुमार, एस.के.सिंह, ए.के. गुप्ता, पी.के.वर्मा, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव एवं बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी सपरिवार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

डीजी की वीडियो कांफ्रेंसिंग में एडीजी जोन कानपुर ने तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी

कानपुर। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ईद-उल-फितर, नवरात्रि पर्व एवं चैत्र रामनवमी,

कानून व्यवस्था की स्थिति, रिक्रूटस के प्रशिक्षण की तैयारी, आवंटित अनुदान के व्यय की स्थिति आदि के सम्बन्ध में गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा उक्त के सम्बन्ध में जोन के जनपदों में की गई तैयारियों/वस्तुस्थिति से विस्तार से अवगत कराया गया।

डाक्टरों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को वितरित किए फल

बीकेटी। बीकेटी स्थित राम सागर मिश्र 100 शैय्या अस्पताल में शनिवार को सीतापुर से सेवानिवृत्त हुए सीएमएस आरएएल गुप्त,

आरएसएम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक वी के शर्मा सहित अन्य डाक्टरों की मदद से अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि शनिवार को डाक्टर की टीम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को केला और संतरा बारी बारी से वितरित किया है। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक सुमित महराज, वरिष्ठ चिकित्सक ग्रीस चन्द्र पांडे, अन्य डॉक्टर सहित स्टॉप उपस्थित रहा।

थाना सरायइनायत टीम द्वारा तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मु0अ0सं0-57/25 धारा-137(2)/87 भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्त /अभियुक्ता 1. अमित बिन्द पुत्र सुखराम उर्फ भोला बिन्द 2. किरण बिन्द पत्नी विजय बहादुर बिन्द निवासीगण ग्राम इनायतपुर थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-29.03.2025 को ग्राम इनायतपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । मु0अ0सं0-88/25 धारा-137(2)/87/65(1) भा0न्या0सं0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त जैनुल पुत्र एनुल हसन निवासी ग्राम चकसनपुर थाना हथगांव जनपद फतेहपुर को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-29.03.2025 को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत अमरसापुर रिंग रोड स्थित अण्डर पास के पास से गिरफ्तार किया। थाना नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 21 कि0ग्रा0 अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त 01 कार बरामद। पुलिसआयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त 1. अदनान अहमद पुत्र महमूद अहमद सऊद अहमद पुत्र महमूद अहमद निवासीगण ग्राम चफरी थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को दिनांक-28.03.2025 को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चफरी स्थित तालाब के पास से 21 कि0ग्रा0 अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त मारूति स्विफ्ट कार वाहन सं0-क्र 77 ङ्ग 4875 के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना नवाबगंज पर मु0अ0 सं0-160/2025 धारा-8/20/60(3) एन0डी0पी0एस0 एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

प्रबंध निदेशक आज अपने फूलपुर भ्रमण के अंतिम दिन उन्होंने नैनो यूरिया प्लस के उत्पादन का जायजा लिया

स्वतंत्र प्रभात

उन्होंने नैनो अधिकारियों के साथ बैठक की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। अतिथि गृह में मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल गोरख सिंह सेंगर तथा सुरक्षा गार्डों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके उपरांत वे इफको मुख्यालय नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस दौरान वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया, वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय वैश्य, महाप्रबंधक क्रमशः ए.पी.राजेन्द्रन, संजय भंडारी,पी.के सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अनीता मिश्रा, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, अरुण कुमार, एस.के.सिंह, ए.के. गुप्ता, पी.के.वर्मा, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

खुलासा चपेड़वा और जुड़ी कुंइया चौराहे पर स्थित इन केंद्रों की स्थिति ने स्वास्थ्य विभाग की अव्यवस्था और लापरवाही को उजागर कर दिया है।

स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान पचपेड़वा में फर्जी क्लीनिकों का खुलासा मरीजों का हो रहा है शोषण

स्वतंत्र प्रभात

पचपेड़वा में फर्जी क्लीनिकों और स्वास्थ्य केंद्रों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां स्थित पैथोलॉजी, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, क्लीनिक और नर्सिंग होम जैसे स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों का इलाज तो हो रहा है, लेकिन यह सब नियमों और मानकों के खिलाफ चल रहा है। इन केंद्रों की मनमानी के कारण न केवल मरीजों का शोषण हो रहा है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर भी गिरता जा रहा है। जनपद में लगभग 120 स्वास्थ्य केंद्रों का रजिस्ट्रेशन स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड में है, लेकिन पचपेड़वा और जुड़ी कुंइया चौराहे पर स्थित इन केंद्रों की स्थिति ने स्वास्थ्य विभाग की अव्यवस्था और लापरवाही को उजागर कर दिया है। इन केंद्रों का संचालन नियमों के खिलाफ है, और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर इन्हें सील करने की कार्रवाई करता है, लेकिन लेन-देन के बाद ये फिर से चालू हो जाते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य विभाग की निष्क्रियता को दर्शाता है, बल्कि एक बड़े घोटाले का भी इशारा करता है। डॉक्टरों, पैथोलॉजिस्टों और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की कमी के कारण मरीजों को यहां अनावश्यक और अव्यवस्थित इलाज दिया जा रहा है। इस स्थिति को लेकर स्थानीय जनता में गहरी नाराजगी है। इसके साथ ही, मरीजों का शोषण हो रहा है क्योंकि उन्हें बिना किसी आवश्यक उपचार के अस्पतालों में भर्ती कर लिया जाता है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण इन फर्जी क्लीनिकों पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। यही नहीं, इन फर्जी स्वास्थ्य केंद्रों की लगातार बढ़ती संख्या से स्थानीय प्रशासन और विभाग के अधिकारियों पर भी संदेह उत्पन्न हो रहा है। यदि पचपेड़वा जैसे छोटे नगर में स्थिति इतनी खराब है, तो क्या पूरे जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं का यही हाल होगा? यह सवाल उठता है कि विभाग इन अवैध केंद्रों पर कब और कैसे नियंत्रण पाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुकेश रस्तोगी ने इस मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा, इसको रोकने के लिए टीम का गठन कर अभियान चलाया जा रहा है और बीच-बीच में कार्रवाई भी की जाती है। आगे भी अभियान और कार्रवाई जारी रहेगा। हालांकि, उनकी यह टिप्पणी सवालों का समाधान करने में नाकाफी नजर आ रही है। मरीजों की जिंदगी और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है, और स्वास्थ्य विभाग की इस स्थिति से अब इस संकट के समाधान को लेकर गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग की निष्क्रियता के पीछे क्या है कारण? स्वास्थ्य विभाग की यह निष्क्रियता किसके कारण हो रही है? क्या यह सिर्फ लापरवाही का मामला है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा भ्रष्टाचार छिपा हुआ है? क्या पचपेड़वा जैसे स्थानों पर फर्जी क्लीनिकों की बढ़ती संख्या विभाग की अनदेखी का नतीजा है? यदि स्वास्थ्य विभाग इन केंद्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करता है, तो क्या यह समस्या सुलझ सकती है, या यह सिर्फ एक अल्पकालिक समाधान होगा? क्या इन फर्जी क्लीनिकों में मरीजों को अनावश्यक इलाज दिया जा रहा है? क्या मरीजों को अनावश्यक जांच और इलाज की शिकार बनाकर उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है? फर्जी क्लीनिकों के संचालन में स्थानीय प्रशासन की भूमिका क्या है क्या स्थानीय प्रशासन इन क्लीनिकों की जांच और निगरानी में पूरी तरह से विफल हो रहा है क्या स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के बीच कोई मिलीभगत है, जिसके कारण ये केंद्र लगातार खुले रहते हैं क्या स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में भ्रष्टाचार या मिलीभगत की वजह से ये फर्जी क्लीनिक संचालित हो रहे हैं।**शेष पेज खबर 12 पेज**

विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर ग्राम प्रधान हुए सम्मानित

शाहजहांपुर /राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर जनपद में टीबी मुक्त 85 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह व मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अपराजिता सिंह ने प्रशस्ति पत्र व गांधी जी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया।? उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में टीबी के मरीजों को खोजा व नियमित दवाई उपलब्ध कराते हुए उन्हें इस बीमारी से ठीक किया गया। उन्होंने कहा कि आप लोग अपनी ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि होने के नाते इसका व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा लोगों को उपरोक्त लक्षण होने पर तत्काल जांच कराने के लिए कहें जिससे समय रहते उनकी पहचान की जा सके तथा उनका इलाज संभव हो सके। उन्होंने कहा कि हम लोग अभी 85 ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त कर चुके हैं, आप लोग अपने-अपने गांव में लोगों को जागरूक करें किसी को खांसी, जुकाम, बलगम या उपरोक्त लक्षण हो तो उनकी जांच करवाएं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 विवेक मिश्रा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अतीत की गोद में सोए तालाब और बावड़ियां, कहानियों का खजाना

अतीत की यादों में समाये तालाब और बावड़ियां केवल जल-स्रोत नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक भी थे। ये जल संरचनाएं प्राचीन भारतीय समाज की जल प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं जो हमें हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और पर्यावरण के प्रति उनके सम्मान की याद दिलाती हैं। तालाब गांवों और नगरों के जीवन का केंद्र हुआ करते थे। वर्षा जल संचयन, कृषि सिंचाई, मवेशियों की प्यास बुझाने और सामाजिक मेलजोल के लिए इनका उपयोग किया जाता था। तालाबों के किनारे मंदिर, घाट और धर्मशालाएं बनाई जाती थीं जहां लोग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने आते थे।

कई स्थानों पर ये तालाब त्यौहारों और मेलों का केंद्र भी बनते थे। प्राचीन भारत में जल को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि पूजनीय तत्व माना जाता था। इसलिए जल स्रोतों को संरक्षित करने के लिए वैज्ञानिक और कलात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया। राजाओं,रानियों, समाजसेवियों और मंदिर समितियों ने बड़े पैमाने पर तालाब और बावड़ियों का निर्माण कराया। इनका उद्देश्य जल संचयन के साथ-साथ सामाजिक समृद्धि और आध्यात्मिक शांति को बढ़ावा देना भी था। पुराने तालाबों के पास बैठकर अगर आप ज़रा ध्यान दें तो आपको उनकी लहरों में इतिहास की हलचल महसूस होगी। कभी ये गांव-शहरों की जान हुआ करते थे। गांवों में तालाब के किनारे बुज़ुर्ग किस्से सुनाते, बच्चे खेलते और महिलाएं पानी भरते हुए अपनी कहानियों की गहराइयों में खो जातीं। ये सिर्फ़ जल संरचनाएं नहीं थीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल के सबसे अहम केंद्र थे।

बावड़ियां विशेष रूप से स्थापत्य कला का बेहतरीन उदाहरण थीं। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाता था कि गर्मी के मौसम में भी पानी ठंडा बना रहे। राजस्थान और गुजरात में बनी बावड़ियां आज भी अपनी जटिल नक्काशी, मेहराबों, स्तंभों और मूर्तियों के कारण आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। बावड़ियां (सीढ़ीदार कुएं) विशेष रूप से पश्चिमी और मध्य भारत में लोकप्रिय थीं। राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में अनेक प्राचीन बावड़ियां देखने को मिलती हैं, जिनकी स्थापत्य कला अद्भुत होती थी। ये केवल जल संग्रहण का साधन नहीं थीं, बल्कि गर्मियों में ठंडी छांव में बैठने और यात्रियों के लिए विश्राम स्थल का कार्य भी करती थीं।

प्रसिद्ध बावड़ियों में चांद बावड़ी (अभनेरी, राजस्थान) और रानी की वाव (पाटण, गुजरात) अपनी अद्वितीय सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं। तालाब और बावड़ियां जल संचयन और भूजल पुनर्भरण का महत्वपूर्ण माध्यम थीं। जलवायु परिवर्तन और जल संकट के इस दौर में यदि हम इन पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन करें तो यह न केवल भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि बाढ़ जैसी समस्याओं को कम करने में भी सहायक होगा। आधुनिक शहरीकरण और बढ़ती उपेक्षा के कारण कई तालाब और बावड़ियां सूख चुके हैं या अतिक्रमण का शिकार हो गए हैं। कई जल स्रोत गंदगी और कचरे से भर चुके हैं जिससे न केवल उनका ऐतिहासिक वजूद समाप्त हो रहा है, बल्कि पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरकार और स्थानीय समुदायों को मिलकर पुराने जल स्रोतों की सफ़ाई करनी चाहिए। पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए ठोस कानूनी नीतियां बनाई जानी चाहिए। गांवों और शहरों में सामुदायिक प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि लोग इन धरोहरों को संजोने में सक्रिय भाग लें। इन ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है जिससे लोग इनके महत्व को समझें और संरक्षण के लिए प्रेरित हों।

वर्तमान में कई शहर और गांव पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है क्योंकि वर्षा जल का संचयन सही तरीके से नहीं हो रहा है। यदि तालाबों और बावड़ियों को पुनर्जीवित किया जाए तो वे भूजल को फिर से भरने में मदद कर सकते हैं जिससे नदियों और कुओं का जल स्तर संतुलित रहेगा। कई क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जबकि अन्य क्षेत्रों में सूखा पड़ता है। यदि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण किया जाए तो वर्षा जल को संग्रहित करके सूखे के दौरान इसका उपयोग किया जा सकता है। साथ ही यह जल निकासी की भी एक प्रभावी प्रणाली बन सकती है। तालाब और बावड़ियां न केवल जल का स्रोत हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

ये जलाशय पक्षियों, मछलियों और अन्य जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास होते हैं। यदि इन्हें पुनर्जीवित किया जाए तो जैव विविधता को भी संरक्षित किया जा सकता है। प्राचीन बावड़ियां और तालाब न केवल जल संरचनाएं हैं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज कई बावड़ियां और तालाब उपेक्षित पड़े हैं या कचरे से भर चुके हैं। इन्हें साफ़ कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है जिससे उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान बनी रहे। यदि तालाब और बावड़ियों को फिर से उपयोग में लाया जाए तो ग्रामीण और शहरी समुदायों को इससे सीधा लाभ मिलेगा।

वे खेती, पशुपालन और दैनिक जीवन में जल संकट से बच सकेंगे। इसके लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी ताकि वे स्वयं इनके संरक्षण की जिम्मेदारी लें।

तालाब और बावड़ियां हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता और कुशल जल प्रबंधन प्रणाली का प्रमाण हैं। यदि हम इन्हें पुनर्जीवित करें तो यह पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था तीनों के लिए लाभकारी होगा। हमें अपने अतीत से सीख लेते हुए जल संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन अद्भुत संरचनाओं का लाभ उठा सकें। आज के समय में कई तालाब और बावड़ियां उपेक्षा के कारण सूख गए हैं या गंदगी से भर गए हैं। शहरीकरण और जल संकट के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए इन पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार आवश्यक हो गया है। कई जगहों पर लोग और संगठन इन संरचनाओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। तालाब और बावड़ियां हमारे अतीत की वह धरोहर हैं जो हमें जल संरक्षण और सामुदायिक जीवन की महत्वपूर्ण सीख देती हैं। इनका संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ-साथ भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संकट से निपटने में सहायक हो सकता है।

संपादकीय

मीठी ईद का मधुर सन्देश

भारत में कल ईद का त्यौहार, भारत के अधिकतर क्षेत्रों में इसे मीठी ईद भी कहा जाता है जो कि 'ईद-उल-फितर' का ही नाम है। यह त्यौहार रमजान के मुबारक महीने के पूरे होने पर आता है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह तीज-त्यौहारों का मुल्क है। इस दिन का इंतजार जितनी बेसब्री के साथ मुसलमान नागरिकों को रहता है उतनी ही शिद्दत के साथ हिन्दू नागरिक भी इसकी प्रतीक्षा करते हैं खास कर वे हिन्दू कारीगर और छोटा-मोटा धंधा करने वाले लोग जो खाने-पीने का सामान बेच कर अपने परिवार का पेट पालते हैं या बच्चों के लिए खिलौने व अन्य सामान बेचने का काम करते हैं। रेहड़ी-पटरी वाले या खोमचा लगा कर अपनी रोजी कमाने वाले हिन्दू दुकानदार इस दिन को बड़ी उम्मीद के साथ देखते हैं। भारत में मुस्लिम त्यौहारों पर भी भारतीयता की छाप रहती है। इस देश की रंग-रंगीली संस्कृति ने सभी धर्मों के लोगों को प्रभावित किया है।

मीठी ईद पर मुस्लिम नागरिक अल्लाह की इबादत में विशेष नमाज पढ़ कर अपनी बेहतरी की दुआएं मागते हैं जिसमें जिस देश में वे रहते हैं उसकी बेहतरी भी शामिल होती है। नमाज पढ़ने के बाद वे एक-दूसरे से गले मिलकर सारे गिले-शिकवे दूर करते हैं। इस दिन कोई भी व्यक्ति अपनी माली हालत की वजह से छोटा-बड़ा नहीं होता है। इस्लाम धर्म का यह सन्देश समाज के सभी वर्गों के लिए होता है, अतः हिन्दू नागरिक भी दिल खोल कर मीठी ईद के दिन मुसलमान मित्रों के गले मिलते हैं। वास्तव में यह त्यौहार समाज में मिठास घोलने का त्यौहार है। इसीलिए इसे कुछ ग्रामीण इलाकों में सिवइयों वाली ईद भी कहा जाता है। आपसी भाईचारे का सन्देश देने वाली इस ईद में किसी प्रकार की सामाजिक कलुषता के लिए कोई स्थान नहीं होता। इसलिए भारत में यह परंपरा रही है कि इस दिन हिन्दू नागरिक अपने मुस्लिम मित्रों के घर जाकर उन्हें ईद की मुबारक बाद देते हैं। हम ईद मुबारक केवल सामाजिक रिश्तों को प्रगाढ़ करने के लिए ही नहीं कहते बल्कि मुल्क की खुशहाली के लिए भी कहते हैं क्योंकि वही देश स्थायी तरक्की करता है जिस देश में आपसी सामाजिक भाईचारा कायम रहता है। इसी वजह से इस दिन होने वाली नमाज में मुल्क की तरक्की के लिए भी दुआ मांगी जाती है। जिस प्रकार हम होली, दीवाली का त्यौहार मिलजुल कर मनाते हैं उसी प्रकार मीठी ईद का त्यौहार भी हमें मनाना चाहिए और किसी भी तरह के बैर-भाव को भूल कर आपस में गले मिलना चाहिए।

यह भारत की ही विशेषता है कि यहां के सभी तीज-त्यौहार आपसी एकता को बढ़ावा देते हैं। इसकी वजह मूल रूप से इनका कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था से जुड़ना होता है। और जो व्यक्ति खेती करता है वह सबसे पहले एक किसान होता है हिन्दू-मुसलमान बाद में। यह गौर करने वाली बात है कि कोई भी इंसान भगवान या अल्लाह के यहां यह दरख्वास्त देकर जन्म नहीं लेता कि उसे हिन्दू या मुसलमान बनाया जाये। जो बालक जिस हिन्दू या मुसलमान के घर में जन्म लेता है वह उसी धर्म का पालन करने लगता है। अतः समाज में यह जज्बा सबसे प्रबल होना चाहिए कि वह सबसे पहले इंसान है क्योंकि अल्लाह या भगवान उसे इसी रूप में जन्म देता है। वह जैसे-जैसे बड़ा होता जाता है वैसे-वैसे ही हिन्दू या मुसलमान बनता जाता है। सबसे पहले उसका धर्म इंसानियत ही होता है। अतः यह बेवजह नहीं है कि हमारे पुरखों ने हमें जो संविधान आजादी के बाद दिया वह मानवीयता पर ही टिका हुआ है। उसमें प्रत्येक हिन्दू-मुस्लिम को बराबर का दर्जा दिया हुआ है।

धार्मिक पर्व या त्यौहार समाज में खुशी बांटने के लिए ही बने होते हैं। मीठी ईद से पहले रमजान के महीने में मुस्लिम नागरिक आत्मशुद्धि के लिए भी कार्य करते हैं। वे पूरे महीने रोजा या व्रत रखते हैं और दिन में केवल एक बार भोजन करते हैं। पूरे महीने वे स्वयं को अल्लाह द्वारा बख्शी गई नेमतों के हवाले ही करते हैं। इन रोजों को रखने वाले मुसलमान नागरिक अमीर व गरीब भी होते हैं मगर इस्लाम धर्म के मुताबिक इस महीने हर मुस्लिम नागरिक अपने से गरीब नागरिक के लिए जकात भी देता है। वह अपनी आमदनी का एक अंश इस कार्य में लगाता है। इस लिहाज से देखा जाये तो यह धर्म का 'समाजवादी' स्वरूप है। क्योंकि जीवन जीने के इस तरीके को ही समाजवाद कहा जाता है। लेकिन इसके साथ यह भी हकीकत है कि भारत के 90 प्रतिशत मुसलमान आर्थिक रूप से बहुत पिछड़े हुए हैं। इनमें अधिकतर वे लोग हैं जिन्हें पसमान्दा मुस्लिम कहा जाता है।

भारत में जिस तरह इस्लाम धर्म फैला है उस पर हिन्दू समाज की तरह जातिवाद का भी असर हुआ और अधिसंख्य गरीब मुस्लिम इसकी जातियों में भी बंटे हुए हैं फर्क केवल इतना है कि उनकी जातियां उनके काम-धंधे या पेशे से बंधी हुई हैं। अतः भारत में पिछड़ी जातियों को जो आरक्षण मिला हुआ है उसमें मुस्लिम समाज भी आता है। मगर मीठी ईद पर पढ़ी जाने वाली नमाज को लेकर जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में बवाल मचा हुआ है वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इस दिन सड़कों पर या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने पर पाबन्दी लगा दी गई है। विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में। कहा जा रहा है कि कानून-व्यवस्था की गरज से यह किया जा रहा है क्योंकि संभल शहर में एक धार्मिक स्थान को लेकर हिन्दू-मुसलमानों के बीच विवाद बना हुआ है। यह विवाद न्यायालय के विचाराधीन है। अतः इसे न्यायालय पर ही छोड़ दिया जाना चाहिए और देश में सामाजिक एकता व सौहार्द को बनाये रखने के लिए मीठी ईद का असली सन्देश पढ़ना चाहिए। इस सिलसिले में देश के 32 लाख गरीब मुसलमानों को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से जो ईद का तौहफा दिया जा रहा है उसका खैर मकदम भी होना चाहिए। उसकी आलोचना करना उचित नहीं है।

चैत्र माह में चेतने का मौक़ा देती है प्रकृति

हिंदी का नया साल चैत्र मास से शुरू होता है। मेरे लिए ये महीना बहुत महत्वपूर्ण है। मेरी दादी बताया करतीं थीं कि मै चैत्र मास में ही अवतरित हुआ था। इसी महीने में चेतुओं की किस्मत चेतती है। दादी निरक्षर थीं लेकिन पंचांग के बारे में उन्हें पता नहीं कहाँ से पता चल जाता था। वे बताती थीं कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व का शुभारंभ भी होता है। इस बार चैत्र मास 30 मार्च 2025 यानी आज से शुरू हुआ तो दादी की बहुत याद आयी। वे पक्की सनातनी थीं किन्तु मैंने उन्हें कभी व्रत -उपवास करते नहीं देखा ,जबकि ठीक उनके विपरीत मेरी माँ को तीज-त्यौहार,व्रत,उपवास में गहरी दिलचस्पी थी। उनकी देखा-देखी मैंने भी अनेक बार चैत्र मास में 9 दिन के न सिर्फ व्रत किये बल्कि दो मर्तबा गवालियर से करौली तक 208 किमी की लम्बी और कठिन पदयात्रा भी की।

आज का पंचांग बता रहा है कि इस तिथि पर रेवती नक्षत्र और ऐन्द्र योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण भी हो रहा है। इसके अलावा यह दिन हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2082 के रूप में आया है, जिसमें सूर्य और चंद्र देव दोनों मीन राशि में मौजूद हैं।आज के ही दिन देश-दुनिया में ईद का त्यौहार भी मनाया जा रहा है लेकिन भारत में तमाम पाबंदियों के साथ। कहते हैं न कि -जिसकी लाठी,उसकी भैंस। आज लाठी हमारे हाथ में हैं। इसलिए भैंस भी हमारी है। हमारी भैंस के आगे बीन बजाने का कोई फायदा नहीं ,क्योंकि वो ससुरी खड़ी-खड़ी पगुराती रहती है । बीन की धुन पर नाचना उसे आता ही नहीं है।उसे न मणिपुर कि जलने से कोई फर्क पड़ता है और न कुणाल कामरा काण्ड से।

आप कहेंगे कि नया साल और नए साल का पहला दिन में ये भैंस कहाँ से आ गयी। तो आपको बता दें कि भैंस से हमारा सनातन नाता है,ये बात अलग है कि हम किसी भैंस को अपनी माता नहीं कहते,जबकि भैंस ,गौमाता से जायदा दूध देती है,ज्यादा गोबर देती है और ज्यादा मांसाहार भी देती है। दुर्भाग्य ये है कि हमारे यहां भैंसपुत्र केवल बलि के लिए इस्तेमाल किये जाते है। किसी जमाने में भैंसे पंचायतों ,नगर निगमों में कचरा गाडी खींचने के काम भी आते थे किन्तु अब तो बेचारे सिर्फ कटते हैं और लोगों के पेट भरने के काम आते हैं। भैंसों के नाम परदुनिया के किसी देश में कोई राजनीती नहीं होती । कम से कम हमारे देश में तो नहीं होती । हमारे यहां गायों के नाम पर राजनीति भी होती है और लिंचिंग भी। दुर्भाग्य ये है कि भारत में अभी तक किसी ने भैंसशाला नहीं खोली इसीलिए भैंसे अक्सर सड़क पर आवारगी करते देखी जा सकतीं हैं।

मै कट्टर सनातनी हूँ, फिर भी इन ज्योतिषियों की वजह से हमेशा परेशान रहते है। ये हर त्यौहार को सुलभ के बजाय दुर्लभ बताकर ऐसा उन्माद पैदा करते हैं कि आधा देश महाकुम्भ में नहाने जा धमकता है ,दीवाली पर ऐसा पुष्य योग बताते हैं कि आधा देश भले कटोरा लिए खड़ा रहे लेकिन बाकी देश सर्राफा बाजार या मोटरकार बाजार में खड़ा नजर आता है। ज्योतिषी इस बार भी नहीं माने। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक लगभग 100 वर्षों बाद नवरात्रि के प्रथम दिन पंचग्रही योग का निर्माण भी हो रहा है. इसके साथ ही पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि, इंद्र, बुद्धदित्य ,शुक्रदित्य, लक्ष्मी नारायण जैसे शुभ योग का निर्माण हो रहा है.। हमारा सौभाग्य है या दुर्भाग्य कि ये ज्योतिषी हमारे पास ही सबसे जायदा है। दूसरे मजहबों में भी हैं लेकिन वे इतने शातिर नहीं हैं जितने किहमारे हैं। हम पढ़े-लिखे हों या अनपढ़ सब के सब ज्योतिषियों के इशारों पर नाचते हैं। कभी-कभी मै सोचता हूँ कि हमारे पास भले ही वैज्ञानिक कम हों किन्तु ज्योतिषी इफरात में है। काश ऐसे ही ज्योतिषी म्यांमार वालों के पास होते । कम से कम वे ये तो बता देते कि वहां जो भूकमंप आया है वो किस दुर्लभ योग में आया है और उसके क्या लाभ-हानि है। किस राशि के जातकों के लिए भूकंप जानलेवा साबित होगा और कौन सा महफूज रहेगा ? म्यांमार वालों के साथ हमारी गहन संवदना है । हमारी सनातनी सरकार ने म्यांमार के भूकंप पीड़ितों की इमदाद के लिए लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल के नेतृत्व में शत्रुजीत ब्रिगेड मेडिकल रिस्पॉन्डर्स की 118 सदस्यीय टीम आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति के साथ शीघ्र ही म्यांमार के लिए रवाना हुई. यह टीम जरूरी चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति के साथ एयरबोर्न एंजल्स टास्क फोर्स के रूप में तैनात की जा रही है, ये फोर्स आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत चिकित्सा और सर्जरी सेवाएं देने के लिए प्रशिक्षित है। हम शुक्रगुजार हैं भारत सरकार की दरियादिली के, कि उसने कम से कम चैत्र मास में कोई तो पुण्यकार्य किया ! अन्यथा मुमकिन था कि हमारे गृहमंत्री अड़ जाते कि - नहीं ! म्यांमार में राहत भेजने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि वहां के रोहिंग्या मुसलमान भी इस राहत का फायदा उठाएंगे। हमारी सरकार को मुसलमानों से खासी चिढ है,फिर चाहे वे हिन्दुस्तानी हों या बांग्लादेशी या म्यांमारी। हमारे यहां मुसलमान ही हैं जो सड़क पर नमाज नहीं पढ़ सकते,सड़क तो छोड़िये अपने घर की छत पर नमाज नहीं पढ़ सकते। मुसलमानों को छोड़ दुसरे मजहबों का कोई भी आदमी कुछ भी कर सकता है। उसके लिए कोईपाबन्दी नहीं है।

इस नवरात्रि पर मै भी 9 दिन के व्रत रख रखा हूँ । मेरी देवी में भारी आशक्ति है । मेरी कामना है कि देवी माँ भारत की पुण्य भूमि पर पैदा होने वाले हर हिंदुस्तानी का कल्याण करें । मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा भी ,क्योंकि हमारी देवियाँ नेताओं की तरह हिन्दू-मुसलमान नहीं देखतीं कल्याण करते वक्त। हमने जितनी भी किम्वदंतियां या लोक कथाएं पढ़ी हैं उनमें किसी में भी किसी देवी ने किसी खान साहब का वध नहीं किया। उन्होंने महिषासुर को मारा। मुसलमानों में भी शैतान के बच्चे पैदा होते हैं जो आतंकवादी हो जाते हैं लेकिन उनका नाश करने के लिए देवियों ने दूसरी व्यवस्था की है। हिन्दुओं में भी शैतान होते हैं ,वे भी आदमी तो आदमी इमारतों और कब्रों तक को जमीदोज कर देते हैं ,लेकिन उनका इलाज हमारी देवियों के पास नहीं है। चूंकि हमारे सनातनियों को अब विक्रम सम्वत में आस्था है इसलिए उन्हें इस नववर्ष की बधाइयां ,चूंकि आज ही ईद है इसलिए मुसलमानों को ईद मुबारक और म्यांमार के भूकंप पीड़ितों को अपनी हार्दिक संवेदनाएं देते हुए मै अपने आपको खुशनसीब समझता हूँ क्योंकि आज से 9 दिन तक मुझे शक्ति की आराधना की छूट है। मै कमरे में ,घर की छत पर या सड़क पर ,कहीं भी आराधना कर सकता हू। तमाम पाबंदियां तो विधर्मीयों के लिए हैं। वे भारतीय होकर भी हमारे लिए प्रवासी हैं।

राकेश अचल

क्या नेपाल फिर बनेगा हिन्दू राष्ट्र ?

2007 से पहले नेपाल में राजा को हिन्दू देवी-देवताओं की तरह पूजा जाता था। राजा को विष्णु का अवतार समझा जाता था और उनके दर्शन के लिए आम लोगों की लम्बी-लम्बी कतारें लगती थीं जैसे ?कसी बड़ी मान्यता वाले मंदिर में लगती हैं। नेपाल दुनिया का एकमात्र हिन्दू राष्ट्र था लेकिन बंदूक की नोक से निकली क्रांति के चलते 28 मई 2008 को राजशाही का अंत हो गया और वहां आधा-अधूरा लोकतंत्र स्थापित हो गया। भारत के एक बड़े वर्ग में नेपाल के हिन्दू राष्ट्र के अंत की कसक अब तक मौजूद है। नेपाल में हिन्दू राजशाही के पतन के बहुत से कारण रहे। सबसे बड़ा कारण यह रहा कि राजशाही ने जन-भावनाओं का सम्मान करना छोड़ दिया था। राजमहल में खूनी षड्यंत्रों को अंजाम दिया गया और जनता की इच्छाओं को लगातार कुचला जाता रहा। भारत के पड़ोसी देश में राजशाही और हिन्दू राष्ट्र की मांग ने हिंसक आंदोलन का रूप ले लिया है। काठमांडौ और कई अन्य क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों की झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। नेपाल सरकार ने सेना को तैनात कर कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। नेपाल की जिस जनता ने राजशाही को खत्म करके लोकतंत्र में भरोसा जताया था आज उसी का कम्युनिस्ट सरकार से मोह भंग हो चुका है। लोकतंत्र के नाम पर कम्युनिस्ट सरकार चीन की कठपुतली बन गई है और उसने नेपाल को चीन की गोद में डाल दिया है। जनता अपने आप को ठगी हुई महसूस कर रही है। ऐसे में जनता का एक वर्ग नेपाल को फिर से हिन्दू राष्ट्र बनाने, पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह की वापसी और राजशाही की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आया है। नेपाल की जनता सरकार से पूरी तरह हताश और निराश है। लोकतंत्र से जनता की उम्मीदें टूट चुकी हैं क्योंकि हालात राजशाही से भी बदतर हो चुके हैं। राजशाही के पतन के बाद इस हिमालयी देश में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है।

नेपाल में बीते 17 साल में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। लोकतंत्र की जीवंतता बनाए रखने के लिए राजनीतिक स्थिरता, लोकतांत्रिक स्थिरता, लोकतांत्रिक संस्थाओं का कामकाज और नेताओं का नेतृत्व, लोगों की भागीदारी सब जरूरी होती है लेकिन लोकतंत्र की खूबसरती बनाए रखने में नेपाल के सियासी दल नाकाम हुए हैं। आपसी खींचतान, एक-दूसरे को पटखनी देने और सरकार में बने रहने के लिए ये सत्ता समीकरणों में उलझे रहे हैं। देश, लोगों और अर्थव्यवस्था की परवाह इन्होंने नहीं की। ये एक-दूसरे को नीचे गिराने में, अपनी रोटी सेंकने के लिए आपस में ही उलझे रहे। इसका नतीजा यह हुआ कि महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। अर्थव्यवस्था की बुरी हालत है। भ्रष्टाचार चरम पर है। घपले, घोटाले की भरमार है। चाहे नेपाल कांग्रेस हो या कम्युनिस्ट सभी ने लोगों को निराश किया है। लोगों को इनमें अब कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। लोगों को लगने लगा है कि इन राजनीतिक दलों ने देश और उनका बेड़ा गर्क कर दिया है। इससे अच्छी राजशाही थी। जनता के आक्रोश का प्रमाण है कि पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र के स्वागत के लिए हजारों लोग उमड़ रहे हैं। पिछले तीन महीनों में ज्ञानेन्द्र ने नेपाल के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया। इस दौरे से उनकी लोकप्रियता में बढ़ौतरी हुई। उन्होंने अपने सम्बोधनों में वर्तमान राजनीति की आलोचना करते हुए नेपाल के इतिहास को मिटाने की प्रवृति पर चिन्ता जताते हुए नेपाल के राजनीतिक दलों पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने नेपाल की पूर्व हिन्दू राष्ट्र की स्थिति का उल्लेख करते हुए जातीय पहचान मिटाने के खतरे की आशंका जताई। नेपाल की बिगड़ती आर्थिक स्थिति, चीन के बढ़ते कर्ज, उद्योगों के गिरते स्तर और शिक्षा संस्थानों की खस्ता हालत पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

राजशाही की वापसी की मांग और पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र के प्रति लोगों की बढ़ती लोकप्रियता ने नेपाल के कम्युनिस्ट दल, विशेष रूप से प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली के नेतृत्व वाली 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी' (संयुक्त मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और पूर्व माओवादी विद्रोही पुष्प कमल दहल (प्रचंड) के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्टपार्टी (माओवादी केन्द्र)' काफी चिंतित हैं। यहां तक कि सबसे बड़े राजनीतिक दल नेपाली कांग्रेस (एनसी) को भी राजशाही समर्थकों के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता हो रही है। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र को 'राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी' और 'राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल' का समर्थन है। ये दोनों दल नेपाल में संवैधानिक राजशाही की बहाली और देश को फिर से हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

नेपाल के लोगों का मानना है कि उनकी हिन्दू पहचान की रक्षा केवल राजशाही ही कर सकती है। नेपाल कभी भी किसी का उपनिवेश नहीं रहा। विकास के नाम पर देश?की सरकारों ने लोगों का शोषण ही किया है। नेपाल के लोगों का भारत के साथ रोटी-बेटी का संबंध है लेकिन कम्युनिस्ट सरकारों ने नेपाल को चीन का उपनिवेश बनाकर रख दिया है। भारत विरोधी सरकारों ने देश?को बहुत नुक्सान पहुंचाया है जिससे जनता के हितों पर कुठाराघात हुआ है। नेपाल में राजशाही समर्थकों के बढ़ते प्रभाव और जनता के आक्रोश ने नेपाल को एक नए मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र ने हाल ही में प्रयागराज, लखनऊ और गोरखपुर की यात्रा की थी। राजशाही परिवार के संबंध हमेशा ही भारत के साथ बहुत मधुर रहे हैं। देखना होगा कि आने वाले दिनों में नेपाल की राजनीति क्या मोड़ लेती है। जनता के नारे हर जगह गूंज रहे हैं। राजा आओ देश बचाओ, क्या नेपाल में पुनः राजशाही स्थापित होगी क्या नेपाल को हिन्दू राष्ट्र का दर्जा फिर मिलेगा इन सभी सवालों का जवाब भविष्य के गर्भ में है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

आनंद सिंह को बीआरडी मेडिकल कॉलेज से मिली

लंभुआ। सुल्तानपुर, नगर पंचायत लंभुआ निवासी डॉक्टर आनंद प्रताप सिंह सुपुत्र सभासद डॉक्टर के पी सिंह ने बीआरडी

मेडिकल कॉलेज गोरखपुर से एमएस जनरल सर्जरी की डिग्री प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। हमारे क्षेत्र लंभुआ को एक और सर्जन की उपलब्धि मिली है। इस मौके पर नगर पंचायत के व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, नगर पंचायत चेयरमैन अध्यक्ष अंगद सिंह, राजेश दुबे, बद्री विशाल बरनवाल,दिग्विजय सिंह डॉक्टर स्वाति सिंह, संवेदना हॉस्पिटल के चेयरमैन इंजीनियर आशुतोष सिंह ,सूर्य प्रताप सिंह आदि ने बहुत खुशी व्यक्त की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अंडर पास पर अवैध पार्किंग के आगे बेबस बस अड्डा प्रभारी उनकी कार्य शैली लोग परेशान

सण्डीला/हरदोई लखनऊ पलिया एक्सप्रेस वे के ओवरब्रिज के नीचे सण्डीला हरदोई मार्ग पर बस स्टॉप के चौराहे से मात्र 10 कदम की दूरी पर ओवरब्रिज पुल के नीचे स्थित अवैध पार्किंग स्थल आम जनता के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गया है। क्षेत्र में यातायात की निगरानी और प्रबंधन की जिम्मेदारी यातायात निरीक्षक और पुलिस प्रशासन की है, फिर भी वे इस स्थिति पर आंखें मूंदे हुए हैं।अनधिकृत पार्किंग स्थल के कारण क्षेत्र के निवासियों और यात्रियों को अव्यवस्था और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।सण्डीला से इमलियाबाग चौराहा व अतरौली कोथावां जाने वाले यात्रियों के अतिरिक्त बांगरमऊ रोड से लखनऊ के लिए वाहन पकड़ने में जाम से जूझना पड़ता है।जिसके चलते यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी निभा रहे प्रवर्तन दल के नियमन और प्रवर्तन की कमी के कारण भीड़भाड़, सड़कें अवरुद्ध होना और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। वाहनों से होने वाले शोर और प्रदूषण ने भी पड़ोस में जीवन की गुणवत्ता को खराब करने में योगदान दिया है।स्थानीय निवासियों की बार-बार शिकायतों के बावजूद, अधिकारी इस मुद्दे को हल करने के लिए कोई कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। यातायात निरीक्षक और पुलिस प्रशासन की ओर से जवाबदेही और जिम्मेदारी की कमी ने केवल मामले को बदतर बना दिया है। जनता उस व्यवस्था से निराश और निराश है, जिसका काम उनकी रक्षा और सेवा करना है।सभ्रांतज़नो का कहना है यह जरूरी है कि अधिकारी पुल के नीचे अवैध पार्किंग के मुद्दे को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। यातायात निरीक्षक और पुलिस प्रशासन को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सड़कों पर व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कानून लागू हों। जनता की भलाई और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और अब समय आ गया है कि अधिकारी आगे आएं और समुदाय की चिंताओं का समाधान करें।

शासकीय कार्यों में लापरवाही पर खंड शिक्षा अबधिकारी निलंबित

हरदोई।सान्डी ब्लाक की खण्ड शिक्षा आधीकारी सपना रावत को शासकीय कार्यो में लापरवाही भारी पड गई है । जिलाधिकारी की रिपोर्ट के अधार पर अपर शिक्षा निदेशक ने उन्हे निलंबित कर दिया है।सपना रावत जिलाधिकारी की कई समीक्षा बैठको में अनुपस्थित रही।बतया जा रहा वह अवकाश पर होने के बावजूद बीआरसी कार्यालय मे बैठकर कार्य करती रही । इस मामले में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने शासन को रिपोर्ट भेजी।रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए अपर शिक्षा निदेशक प्रयागराज ने एसडीआई को निलंबित कर दिया है। सपना रावत को जिला बेसिक शिक्षा आधिकारी कार्यालय से सबंद्ध कर दिया गया है उनकी जगह पर भरखनी के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार को सान्डी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।शनिवार को सुनील कुमार ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है।इस अवसर पर शिक्षको ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

18 वर्षीय युवक ने? फांसी लगा कर की आत्म हत्या ।

हरदोई,हरियावाँ थाना क्षेत्र के अंतर्गत 18 वर्षीय युवक मंजेस पुत्र डबलू ग्राम बिन्नहा थाना हरियावां जनपद हरदोई ने अज्ञात कारणों के चलते गांव के बाहर आम की डाल मे गमछे की सहायता से फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली । सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र मिश्र एस आई रमेश वर्मा का0 प्रवेश यादव तत्काल मौके पर पहुंच कर शव को नियम अनुसार पंचायत नामा की कार्यवाही पूर्ण कर पोस्ट मार्टम हेतु मोर्चरी भेज दिया गया । प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र मिश्र ने बताया अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है कानून एवं शांति व्यवस्था संबंधी कोई समस्या नही है ।

इक्यावन शक्तिपीठ तीर्थ में होंगे माँ के दिव्य दर्शन

.....पुष्प, प्रकाश और परिधानों से होगा नित्य रंग-श्रृंगार

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। अपने शिल्प, वास्तु और माहात्म्य की विशिष्टता के कारण सुविख्यात 51 शक्तिपीठ तीर्थ में वासंतीय नवरात्र धूमधाम से मनाया जाएगा। सीतापुर रोड पर बख्शी का तालाब स्थित मंदिर में पिंडी पूजन, यज्ञानुष्ठान और कन्याओं के वृहद भोज जैसे कार्यक्रमों विशेष तैयारी की गई है। तीर्थ न्यास की अध्यक्ष तृप्ति तिवारी ने बताया कि उनके पूज्य पिता ब्रह्मलीन पंडित रघुराज दीक्षित मंजु द्वारा स्थापित 51 शक्तिपीठ तीर्थ में नवरात्र के प्रत्येक दिवस निर्धारित रंग के अनुसार देवी विग्रहों का पुष्प, प्रकाश और परिधानों से रंग-श्रृंगार किया जाएगा। प्रतिदिन देवीगीत और संध्याकालीन दिव्य आरती का आयोजन भी संपन्न होगा। वृहद कन्या भोज नवरात्र के अंतिम दिवस को सम्पन्न होगा।

तीर्थ के प्रधान पुरोहित आचार्य धनंजय पाण्डेय ने बताया कि वासन्तीय नवरात्र में पिण्डी पूजन और यज्ञानुष्ठान का विशेष महत्त्व है। इच्छुक श्रद्धालुजन इस आयोजन के सहभागी बन कर माँ भगवती की कृपा प्राप्त कर सकेंगे। तीर्थ प्रबंधन का नेतृत्त्व कर रहे न्यासी वरद तिवारी ने बताया कि तीर्थ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए है। मंदिर के प्रथम तल से शीर्ष पंचम तल तक दर्शन के लिए लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध है।

समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव पद पर विजयलक्ष्मी का मनोनयन

सपा महिला सभा और कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और अनुमति से विजयलक्ष्मी को समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव पद पर मनोनीत किया गया है। यह महत्वपूर्ण मनोनयन पत्र शनिवार को समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने विजयलक्ष्मी को सौंपा। इस अवसर पर जूही सिंह ने कहा कि 29 मार्च 2025 से विजयलक्ष्मी को समाजवादी पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार और संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विजयलक्ष्मी अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके साथ ही, वे समाजवादी पार्टी और संगठन को और भी सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। समाजवादी पार्टी और समाजवादी महिला

सभा से जुड़े कई प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा शुभचिंतकों ने स्वयं मिलकर और फोन करके विजयलक्ष्मी को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी। जिसमें प्रमुख रूप से समाजवादी महिला सभा की प्रेमलता यादव, अंजू यादव, कंचन वर्मा, रोशनी वर्मा, सुमन यादव, ममता रावत, विमला रावत, रेशमा रावत (जिला पंचायत सदस्य), राजबाला रावत, विनीता रावत, निशा गौतम और सुहागवती तथा एडवोकेट श्रवण कुमार यादव (राष्ट्रीय सचिव, सपा अधिवक्ता सभा), मोहनलालगंज विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव, संतोष रावत, जितेंद्र पटेल, हरिशंकर, प्रधान सरोज रावत, प्रधान जगरूप सिंह यादव, इमरान खान, प्रधान उमेश यादव, मो. रईश, आरिफ कुरैशी, सभासद रजाना, मोहम्मद हनीफ, प्रमोद कश्यप, हरीशंकर रावत और अन्य नेताओं ने भी श्रीमती विजयलक्ष्मी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पूर्व सपा विधायक अम्बीश सिंह पुष्कर ने पत्नी विजयलक्ष्मी के मनोनयन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया और पार्टी को और मजबूत करने की बात कही।

सरकार के 8 वर्ष पूरे होने पर ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला के द्वारा बताई गई उपलब्धि

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ मोहनलालगंज। योगी सरकार के आठ साल पूरे होने पर मोहनलालगंज ब्लॉक प्रमुख ओमप्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी व भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को ग्राम पंचायत भौदरी के महेश खेड़ा रानीखेड़ा गनियार मरुई तथा अहमद खेड़ा गांव में घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान शुरू किया। कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और देश के प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प से जुड़कर डबल इंजन की सरकार के रूप में उत्तर प्रदेश समृद्ध भारत का नंबर 1 प्रदेश बना है। मैं एक प्रतिनिधि होने के नाते मेरी बधाई योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को देता हूं। उचित नेतृत्व ही बना मिसाल, 8 साल बेमिसाल- हममें से ज्यादातर लोग जानते हैं कि 8 साल पहले यूपी

की स्थिति और पहचान क्या थी। 8 साल पहले यूपी के इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था की हालत छिपी नहीं थी। उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट था, किसान आत्महत्या कर रहे थे, युवा संघर्ष कर रहे थे, बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे और दंगों और ध्वस्त कानून व्यवस्था की वजह से लोग खराब अर्थव्यवस्था को बर्दाश्त कर रहे थे। राज्य और मशीनरी आज भी वही है, लेकिन हम देख सकते हैं कि कैसे सरकार बदलने से बड़े बदलाव हो सकते हैं। आज उत्तर प्रदेश देश के विकास को नई दिशा दे रहा है। प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बन गया है। सरकार सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति के आधार पर प्रदेश की समस्त जनता के हित एवं उत्थान के लिए धरातल पर प्रत्यक्ष रूप से कार्य कर रही हैं।

जनसंपर्क कार्यक्रम में अंजनी शुक्ला मोचन शर्मा रामचंद्र मलखान मौजूद रहे

मेला हज़रत गुलजार शाह में गायब बच्चे को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां सीतापुर बिसवा के सेठगज निवासी प्रेम मौर्य व वंदना मौर्य का 3 वर्षीय कार्तिक मौर्य जो कि मेला हजरत गुलजार शाह बिसवा से गायब हो गया था। आज हरदोई पुलिस व बिसवा पुलिस और अधिवक्ताओं व मीडिया साथियों की मेहनत से सकुशल बिसवा की धरती पर भारी आमजनमानस के उमड़े हुए जनसैलाब द्वारा फूल मालाओं के स्वागत के बीच करीब 1500 किलोमीटर दूर की यात्रा के बीच बिसवा कोतवाली प्रशासन द्वारा लापता हुए बच्चे को उंसके परिजनों को सौप

दिया गया। बहुत बड़ी उपलब्धि हरदोई पुलिस सहित कोतवाली बिसवा पुलिस की रही। बिसवा नगर के सभी आमजनमानस की सहयोग भावना और पुलिस प्रशासन पर दबाव का नतीजा है कि आज बिसवा का एक परिवार का कोहिनूर सकुशल मिला। इस अवसर पर नागरिकों ने पुलिस की प्रशंसा की है। तेलंगाना से बालक के वापसी पर पुलिस टीम और बच्चे का स्वागत करने के लिए मुख्य रूप से विधायक निर्मल वर्मा लॉयर्स एसोसिएशन अध्यक्ष कमलेन्द्र कुमार बाजपेई उप जिलाधिकारी मनीष कुमार रविंद्र नाथ सिंह विकास अग्रवाल सहित सैकड़ो की संख्या में आम जनमानस उपस्थित रहा।

सहकारी गन्ना विकास समिति बिसवां की वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक हुई सपन्न

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां। सीतापुर सहकारी गन्ना विकास समिति बिसवां की वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक हर गोविंद वर्मा हाल गन्ना समिति में संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में अतिथियों पत्रकारों भाजपा पार्टी के पदाधिकारी का समिति के अध्यक्ष सुधाकर शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया उसके बाद क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि गन्ना संघ का कार्य है कि वह गन्ना किसानों की समस्याओं को सुने और उनका निराकरण कराये। उन्होंने कहा आज गन्ना किसान काफी परेशान रहता है उसे न ही गन्ने का अच्छा बीज उपलब्ध हो पा रहा है और न ही अपने गन्ने की पैदावार बढा पा रहा है उन्होंने कहा धीरे-धीरे गन्ने का रकबा भी काम होता नजर आ रहा है ।उन्होंने गन्ना समिति के सभी संचालकों व सदस्यों से गन्ना किसानों के सहयोग करने की बात कही ।भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने भाजपा सरकार के कार्यो पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों

से कहा कि संघ के सभी पदाधिकारी किसानों के घरों पर जाएं वहां पर बैठकर चर्चा करें तथा किसानों के सुख-दुख में शामिल हो। बैठक में वर्ष 2022-23 में अंकन 138 .03 लख रुपए तथा वर्ष 23/24 में अंकन 237 . 28 रुपए वर्ष के लाभ में रही आगामी वित्तीय वर्ष 2025 का बजट प्रस्तुत किया गया जिसमें समिति की अनुमानित आय अंकन 719 . 33 लख रुपए के सापेक्ष अंकन 715.49 लाख रुपए का प्रावधान किया गया। जिसमें नव निर्माण हेतु 80.00 लाख रुपए तथा मरम्मत कार्य हेतु 19.61 लाख रुपए का प्रावधान किया गया। बैठक में संचालक मंडल से राकेश कुमार विजय कुमार हरिश्चंद्र भानु प्रताप वर्मा शिव शंकर श्रीमती उषा देवी श्रीमती कलावती श्रीमती उमा देवी राजेश सिंह सहित सभी सदस्य व चीनी मिल बिसवां के गन्ना महाप्रबंधक डॉ अनूप कुमार पुलिस क्षेत्राधिकार सतीश शुक्ला सचिव मुकेश सक्सेना ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक प्रभात कुमार सिंह सहित भाजपा के पदाधिकारी व गन्ना समिति के कर्मचारी गण मौजूद रहे।

परिवहन विभाग के कर्मचारी से हुई अभद्रता

कमता स्थित अवध बस स्टैंड के पास पिंक बस सेवा के ड्राइवर व कंडक्टर से हुई अभद्रता

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में डग्गामार वाहनों व संचालको आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला अयोध्या मार्ग स्थित कामता बस स्टैंड का है, जहां दबंग निजी बस/कार, संचालकों ने सरकारी पिंक बस सेवा की एक बस को सवारी भरने से जबरन रोक दिया और कंडक्टर के साथ अभद्रता की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोरखपुर जा रही पिंक बस (संख्या 7518) जब कामता बस स्टैंड के पास यात्रियों को बैठाने के लिए रुकी, तो वहां पहले से मौजूद निजी कार व बस संचालकों ने बस को घेर लिया। दबंगों ने कंडक्टर को जबरन बस से खींचकर बाहर निकाल लिया और मारपीट करने की धमकी देने लगे। पीड़ित बस कर्मियों का आरोप है कि ये डग्गामार वाहन अवैध रूप से

सवारियां भरते हैं और सरकारी बसों को सवारी लेने से रोकते हैं, जिससे परिवहन विभाग को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है। इस घटना से यात्री भी सहमे रहे और पूरे घटनाक्रम को देखने के लिए मौके पर भीड़ जमा हो गई। पिंक बस सेवा के कर्मियों और यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अवैध वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और दबंगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। लखनऊ में इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही हैं, लेकिन परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन की ढिलाई के कारण डग्गामार वाहन संचालकों के हौसले बुलंद हैं। अब देखना यह है कि इस मामले में प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

वार्षिक परीक्षा फल घोषित, रिजल्ट पाकर छात्रो के चेहरे खिल उठे

स्वतंत्र प्रभात

पिहानी हरदोई सरस्वती शिशु मंदिर पिहानी का वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लखनऊ मंडल अध्यक्ष व गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के प्रमुख ट्रस्टी श्री अतुल कपूर वशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला प्रचारक रवि इसमें विद्यालय में कृष्णा यादव कक्षा पांच 87 प्रतिशत व आर्यन अवस्थी कक्षा एक में 90 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान अभि यादव कक्षा चार ने 86 प्रतिशत, भूमि गुप्ता शिशु वाटिका की 93 प्रतिशत व तृतीय स्थान चांदनी कक्षा दो 85 प्रतिशत अभि कुमार कक्षा तीन ने 86 प्रतिशत विद्यालय में स्थान प्राप्त किया । इसके पूर्व कार्यक्रम का गायत्री प्रज्ञा पीठ पिहानी के प्रमुख द व ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष श्री अतुल कपूर शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य बिंदु सिंह ने अतिथियों का परिचय कराया। मुख्य अतिथि श्री अतुल कपूर ने परीक्षा फल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जो स्टूडेंट सफल रहे हैं, उनकी सफलता में उनकी सकारात्मक सोच और उनके माता-पिता सहित शिक्षकों का भी बड़ा योगदान रहा है। ऐसी छात्रछात्राएं जिन्हें अपेक्षा के अनुरूप अंक नहीं मिले हैं, उन्हें भी निराश और हताश होने की कतई जरूरत नहीं है। हो सकता है कि मेहनत करने के बावजूद किसी कारण उनके पेपर अच्छे नहीं हुए हों। कोई पारिवारिक, शारीरिक और इस कारण वे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि एक बार अपनी प्रतिभा को पहचान लेने के बाद उसे अपना जुनून बनाने की ओर अग्रसर हों। हो सकता है कि इसके लिए आपके पास संसाधन नहीं हों या कम हों, लेकिन इससे हार न मानें। इसे जिद बनाकर मेहनत और अभ्यास करेंगे, तो धीरे-धीरे उस क्षेत्र में आपको कामयाबी मिलनी आरंभ हो जाएगी। अगर ऐसा नहीं भी होता और शुरुआत में आपको सफलता नहीं मिलती, तो भी अपने प्रयास न छोड़ें। अगर आपके भीतर अपनी पहचान बनाने की जिद और भूख होगी, तो एक न एक दिन कामयाबी जरूर मिलेगी। दुनिया में ज्यादातर महान लोगों की दास्तान पढ़ेंगे, तो उनमें से अधिकतर ऐसे मिलेंगे, जिन्हें शुरुआती दौर में लोगों ने नकार दिया था। वे या तो स्कूली पढ़ाई में फेल हो गए थे या संतोषजनक प्रदर्शन न कर पाने की वजह से उन्हें स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य समीर वाजपेई ने किया।कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम् से हुआ। आचार्य कौशल ,पुष्पांजलि ,सुषमा ,निशा, अंशिका, साक्षी, मोनिका ,नम्रता ,ने कार्यक्रम की व्यवस्थाएं देखी। प्रबंध समिति के बृजेश गुप्ता, दुर्गेश पांडे , राजीव गुप्ता अखिलेश बाजपेई, शिब्बू मिश्रा,सागर पांडे पत्रकार,प्रमोद गुप्ता आदि लोग भी मौजूद रहे।

पुलिस के साथ अभद्रता कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने वाले तीन पुलिस गिरफ्त में

हरदोई। माधौगंज थाना क्षेत्र के कुरसठ चौकी के मोहल्ला जवाहर नगर में दो पक्षों के विवाद में पहुंची यूपी 112 की पुलिस के साथ अभद्रता कर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है।प्राप्त विवरण में 27 मार्च की रात 10.30 बजे डायल-112 पर थाना माधौगंज की चौकी कुरसठ क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला जवाहर नगर में दो पक्षों के मध्य विवाद होने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर डायल-112 पीआरवी 2725 पर नियुक्त आरक्षी गौरव प्रताप सिंह, आरक्षी अर्जुन कुमार, चालक हे0का0 सुधीर कुमार दुबे द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी की जा रही थी इसी दौरान ओमकार उर्फ ओमप्रकाश पुत्र राजेश, सुंदर पुत्र शंभू और पप्पू पुत्र मनोहर निवासीगण मोहल्ला जवाहरनगर थाना माधौगंज सहित सात लोगों द्वारा पुलिस कर्मियों के साथ अपशब्दों का प्रयोग करते हुए कार्य सरकार को बाधित किया गया। इस सम्बन्ध में आरक्षी गौरव प्रताप की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की।थाना माधौगंज के उपनिरीक्षक शिव नारायण व पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित नामजद ओमकार उर्फ ओमप्रकाश पुत्र राजेश, सुंदर पुत्र शंभू और पप्पू पुत्र मनोहर को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय पैंतापुर में शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। भरखनी विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय पैंतापुर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव कार्यक्रम, सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह के साथ ही कक्षा 8 के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। समारोह के दौरान कक्षा 8 के छात्र-छात्राओं को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। गुरुजनों ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें आगे की शिक्षा मन लगाकर ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय गिरधरपुर की शिक्षिका सुमनप्रभा को सेवानिवृत्त होने पर जू शिक्षक संघ भरखनी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सत्र में सर्वाधिक उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को मेडल देकर तथा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कॉपी-पेन आदि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस आयोजन से अभिभावक भी उत्साहित नजर आए और उन्होंने कहा कि कुछ परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी निजी विद्यालयों की भांति बच्चों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। इससे न केवल बच्चों

का मनोबल बढ़ेगा बल्कि परिषदीय विद्यालयों की छवि भी सुधरेगी, जिससे अधिक से अधिक लोग अपने बच्चों का दाखिला इन विद्यालयों में कराने के लिए प्रेरित होंगे। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को मेडल, पुरस्कार एवं परीक्षा फल वितरित किए और उन्हें उच्च कक्षाओं में प्रवेश लेकर अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाध्यापक अश्वनी कुमार मिश्र ने बच्चों को आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें और अपने माता-पिता, विद्यालय और गुरूजनों का नाम रोशन करें। उन्होंने भावुक मन से विद्यार्थियों को विदाई दी और कहा कि बच्चे मिट्टी के उस खिलौने की तरह होते हैं, जिन्हें जिस रूप में चाहें, ढाला जा सकता है। इस मौके पर ब्लॉक मंत्री राजू पाठक, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल हमीद सिद्दीकी, राजेश मिश्रा, धर्मेंद्र दीक्षित, प्रशांत अग्निहोत्री, रश्मि राज अग्निहोत्री, आनंद मिश्र, प्रेम शंकर, अशोक शुक्ल, हर्षित दीक्षित, सर्वेश, हरदयाल, अवधेश, महेंद्र, ललित कुमार, शिक्षिका वंदना देवी, मनीष कुमार, दीपू सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

घर के आगे रखी मंडला में लगी आग से कई बकरा बकरिया व बच्चे जलकर हुई मौत

अहिरोरी हरदोई ग्राम सभा बघौली के मजरा ककरिया में अज्ञात करणों के चलते रात 11ः30 बजे श्रवण पुत्र रामकुमार के घर के बाहर रखे छप्पर में अचानक आग लग गई। मौके पर श्रवण कुमार ने बताया कि उसकी यही रोजी-रोटी थी जो सभी कुछ जलकर राख हो गया अब प्रार्थी के पास कोई कमाई का जरिया नहीं बचा है। जिससे उसकी परिवार का खर्च चलाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा रामकुमार ने बताया कि घर से दूर छप्पर के नीचे कई बकरा बकरियां व बच्चे बंधे हुये थे। जिनमें सभी बकरा और बकरियां व बच्चे की जलकर मौत हो गई सूचना पाकर लेखपाल राममिलन मौर्य,पवन यादव लेखपाल मौके पर पहुंच कर बारीकी से जांच करके शासन को रिपोर्ट भेजी उसके बाद कानूनगो छोटे सिह मौके पर व नायब तहसीलदार विष्णु प्रताप सिंह उप जिलाधिकारी सदर सुशील मिश्रा भी मौके पर पहुंचे इन लोगों ने विधिवत जांच की और उन्होंने ग्रामीणों को समझाया कि अगर घर में महिलाएं खाना बनाती हैं चूल्हे में कडा लकड़ी से रोटी खाना बनाती है। खाना बनाने के बाद उसको स्वयं ही तुरंत आग को बुझा दे जिससे आंधी पानी आने पर कोई भी समस्या ना आ सके घर में लाइट के लिए उन्होंने बताया कि अगर किसी घर में लाइट के तारों की जर्जर व्यवस्था हो उसके लिए तत्काल नए तार लगवा कर बिजली से खतरा होने से बचे और कहा इस समय गर्मी का मौसम व तेज हवाएं चल रही है। और आपकी जरा सी लापरवाही आपकी गृहस्थी व फसलों को तहस-नहस कर सकती है।

संक्षिप्त ख़बरें

बिजली के तारों ने निकली चिनगारी से 50 बीघा गैहूं जली

मथुरा। बिजली के तारों से निकली चिनगारी से बल्देव क्षेत्र में करीब 50 बीघा गैहूं की फसल जल गई। किसानों की पीडा जानने के लिए कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ब्लॉक प्रमुख प्रदीप भरंगा किसानों के पास पहुंचे और सांत्वना दी। हालांकि किसी अधिकारी के मौके पर नहीं पहुंचने और उनकी पीडा नहीं समझने से किसान नाराज दिखे। इस नाराजगी की सामान ब्लॉक प्रमुख बल्देव प्रतीक भरंगर को भी करना पडा। प्रतीक भरंगर रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल भरंगर के बेटे हैं। किसानों ने नकसान की भरपाई की मांग की है। बलदेव की गांव नगला मोहन और जुगसना में जर्जर विद्युत तारों के आपस में टकरा जाने से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। आग चारों ओर खेतों में फैलती चली गई, जिससे लगभग 50 बीघा गेहूं के खेतों में आग लगने से गेहूं की फसल पूरी तरह खाक हो गई। किसान पूरी तरह बर्बाद हो गए। इससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद फायर ब्रिगेड भी पहुंची लेकिन तब तक आग से फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। मौके पर पहुंचे ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर ने निरीक्षण किया। एसडीएम व तहसीलदार को सूचना देकर शीघ्र मुआवजे की मांग की।

'पति की हत्या में पत्नी को आजीवन कारावास

मथुरा। सुरीर क्षेत्र में वर्ष 2023 में प्रेम प्रसंग में बाधाक बने पति को पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद पत्नी पुलिस को गुमराह करती रही लेकिन पुलिस विवेचना में पत्नी मामले को छुपा नहीं सकी। इसके बाद गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी के चलते करीब दो साल में मामले की सुनवाई पूरी हुई। न्यायालय एडीजे 02 मथुरा द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली अभियुक्ता को आजीवन कारावास व 3,500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के द्वारा चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के क्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से शनिवार को न्यायालय एडीजे 02 जनपद मथुरा द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 54, 2023 धारा 302, 201 आईपीसी थाना सुरीर जनपद मथुरा से सम्बन्धित अभियुक्ता को आजीवन कारावास व 3,500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जाएगा झूलेलाल जयंती पर्व : सतीश

शहडोल -झूलेलाल जयंती चेटी चंड, पर्व व चैत्र नवरात्री, पर्व पर सतीश लोहरी फेब्रिकेशन के संचालक युवा समाजसेवी सतीश जगवानी ने बताया कि निश्चित ही सभी पर्व सत्य, अहिंसा, भाईचारे और प्रेम का संदेश देता है। यह समाज में एकता और विश्वास को प्रबल करता है। इस दिन विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, और झूलेलाल के भजन-कीर्तन किए जाते हैं। आपने बताया कि हमारे नगर में झूलेलाल पर्व को लेकर काफी उत्साह रहता है जहां यह रैली, सिंधी धर्मशाला से होते हुए रेलवे मार्केट लखेरन टोला, मेंन रोड, दीनदयाल चौक, हरे माधव कॉलोनी नेहरू पार्क बस स्टैंड से होते हुए सिंधी धर्मशाला में समाप्ति होगी, जहां पर इस रैली के दौरान जगह-जगह जलपान स्टाल लगाए जाएंगे, जहां पर रैली का स्वागतकिया जाएगा, इस विषय पर सतीश लोहरी फेब्रिकेशन के संचालक सतीश जगवानी ने नगर के सभी लोगों से अनुरोध किए हैं कि अत्यधिक से अत्यधिक संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रास्ते के विवाद को लेकर हुए मारपीट घायल युवक की हालत गंभीर

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के ग्राम पचहर में रास्ते पर आने जाने व पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें हुए घायलों में एक की हालत गम्भीर बताई जा रही है। जिसे चिकित्सकों ने जिला अस्पताल से गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया है। घटना शुक्रवार देर रात्रि की है। गोल्हौरा थानाक्षेत्र के ग्राम अतरमू नानकार निवासिनी साहिदा खातून पत्नी मोहम्मद रफीक अपने मायके थानाक्षेत्र के पचहर में रह रही थी। शुक्रवार की रात्रि में वह अपने दरवाजे के सामने चारपाई डालकर बच्चों के साथ बैठी थी, कि गांव पचहर के ही लवकुश वर्मा, राहुल वर्मा, महेश वर्मा व प्रमोद रास्ते को लेकर पुरानी रंजिश में उसे एक उसके बच्चे मोहम्मद सोहेल (11) को गाली व जान से मारने की धमकी देते हुए मारने पीटने लगे। जब उसका भाई अब्दुल रब्बानी शोर सुनकर आया, तो उसे लाठी डंडे से मारकर लहूलुहान कर दिए। थानाध्यक्ष बृजेश सिंह का कहना है कि साहिदा की तहरीर के आधार केस दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से परिवार सहित शिष्टाचारपूर्ण भेंट सांसद कृपानाथ मालाह

स्वतंत्र प्रभात

असम श्रीभूमि (करिमगंज)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार के समय हर क्षेत्र सहित असम में भी हर क्षेत्र गलियों में विकासात्मक कार्यो चल रही है। विकास के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए मार्गदर्शिका के अनुसार गुणवत्ता मान से विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए सरकार करोड़ों रुपये आवंटित कर रही है जनता की सुविधा के लिए। इसी लक्ष्य के साथ विकासात्मक कार्यो में असम सरकार पीछे नहीं है मोदी के आदर्शो को मानते हुए असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा के नेतृत्व में विकास के लक्ष्य के लिए विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से असम के कोने-कोने में काम किया जा रहा है जनता की सुविधा के लिए। इस बीच असम श्रीभूमि के लोकप्रिय सांसद कृपानाथ मालाह नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार श्रीभूमि (करीमगंज) जिले के प्रत्येक कोने में विकास के माध्यम से कोई कमी न रहे इसी दिशा में ध्यान रखते हुए काम कर रहे हैं। इस मामले में उन्होंने अपने परिवार के साथ भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की और श्रीभूमि जिले के विकास पर चर्चा के माध्यम से सुधारात्मक प्रबंध के माध्यम से विकासात्मक कार्यो की मांग की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सांसद कि बात पर गंभीरता के साथ विचार विमर्श की और आश्वासन दिया विकास कार्यो के लिए और परिवार सहित शिष्टाचारपूर्ण भेंट कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ परिवार सहित शिष्टाचारपूर्ण भेंट की गत 29 मार्च (शुक्रवार) को संसद भवन में प्रधानमंत्री कार्यालय में सांसद मालाह ने पत्नी निभा मालाह, बेटी प्रत्याशा मालाह और पुत्र नीलांकन मलाह के साथ परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले। इस अवसर पर करिमगंज लोकसभा क्षेत्र के समग्र विकास पर भी प्रधानमंत्री के साथ चर्चा की है। अल्पसंख्यक से भरे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के समर्थन से जीतकर लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने के कारण इस क्षेत्र के विकास पर प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान है। सांसद मालाह ने बताया कि श्रीभूमि (करिमगंज) लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों में अलग-अलग कई प्रस्ताव पेश किए हैं। उन्हें स्वीकृति के लिए विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास अनुरोध किया है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इसलिए सांसद मालाह ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। सांसद मालह ने बेटे और अपनी बेटी के साथ बिताए गए पल में प्रधानमंत्री मोदी अपने बचपन में लौट गए। उन्होंने सांसद मालाह के बेटे नीलकांत मालाह से प्यार से बात कि।

स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान....

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का खामियाजा स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और अव्यवस्था का खामियाजा मरीजों को उठाना पड़ रहा है। पचपेड़वा जैसे छोटे इलाकों में जिस तरह से फर्जी क्लीनिकों की बढ़ती संख्या हो रही है, उसे देख कर यह साफ जाहिर होता है कि स्वास्थ्य विभाग इस संकट पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हो रहा है। इनमें से अधिकांश केंद्र बिना किसी मान्यता के चल रहे हैं और मरीजों से अनावश्यक इलाज और टेस्ट करवाए जा रहे हैं, जिससे न केवल उनकी वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है, बल्कि उनकी सेहत भी खतरे में पड़ रही है। स्थानीय लोग इन फर्जी क्लीनिकों के खिलाफ आवाज़ उठा रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। विभाग की इस निष्क्रियता के कारण पचपेड़वा और इसके आस-पास के इलाके के लोग खौफ में जी रहे हैं। कई मरीजों ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना जरूरत के महंगे टेस्ट और इलाज करवाए गए, जिससे उन्हें भारी वित्तीय बोझ उठाना पड़ा। इसके अलावा, मरीजों को इलाज की सही जानकारी भी नहीं दी जाती, और कई बार बिना प्रमाण के दवाइयों का सेवन करवाया जाता है। स्वास्थ्य विभाग का यह संकट सिर्फ पचपेड़वा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले और राज्य में फैला हुआ है। पचपेड़वा में जो कुछ हो रहा है, उससे यह सवाल उठता है कि क्या विभाग पूरी राज्यभर में अपनी जिम्मेदारियों को निभा रहा है? क्या यह स्थिति केवल पचपेड़वा तक सीमित है, या अन्य जगहों पर भी फर्जी क्लीनिकों का जाल फैला हुआ है?

विभाग की ओर से कार्रवाई की उम्मीद

मुख्य चिकित्सा अधिकारी मुकेश रस्तोगी का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग ने इन फर्जी क्लीनिकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है, और वे समय-समय पर जांच कर कार्रवाई करते हैं। लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। कार्रवाई करने के बावजूद इन फर्जी क्लीनिकों का खुलेआम संचालित होना और फिर से चालू हो जाना यह साबित करता है कि कहीं न कहीं विभाग की कार्यशैली में गंभीर खामियां हैं। आखिरकार इस संकट का समाधान केवल विभागीय कार्रवाइयों से नहीं हो सकता। इसके लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है, जिसमें विभाग को अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभाना होगा, ताकि मरीजों का शोषण रुक सके और उनके स्वास्थ्य के अधिकारों की रक्षा की जा सके।

राजस्व टीम पर हमला बोलने वाले छह दबोचे

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना जैत पुलिस द्वारा माप तौल के दौरान राजस्व निरीक्षक व लेखपाल के साथ मारपीट करने वाले छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना जैत पुलिस टीम ने मुखविर की सूचना पर जगदीश पुत्र किशनलाल उम्र 55 वर्ष, हरीराम पुत्र किशनलाल उम्र 52 वर्ष, विनोद पुत्र जगदीश उम्र 35 वर्ष, राकेश पुत्र गोविन्द उम्र 30 वर्ष, उत्तम पुत्र शंकरलाल तथा राहुल पुत्र रामचन्द उम्र 23 वर्ष समस्त निवासीगण अहिल्यागंज थाना जैत मथुरा को गिरफ्तार किया। 27 मार्च को धौरेरा खादर में जमीन मापतौल के दौरान राजस्व निरीक्षक व लेखपाल के साथ मारपीट और पथराव किया गया था। शनिवार को धौरेरा ठेके के पास से सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से छह लाठी डण्डे बरामद किये गये हैं।विधिक कार्यवाही अमल मे लायी जा रही है। ग्रामीणों ने राजस्व विभाग की टीम पर उस समय हमला किया था जब टीम गौशाला से जुडी एक जमीन की माप करने के लिए गई थी। इस जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच न्यायालय में मुकदमा चला। न्यायालय से गोचर भूमि का फैसला गौशाला के पक्ष में आया। न्यायालय के फैसले के बाद राजस्व विभाग की टीम जमीन को मापने और कब्जा मुंक्त कराने के लिए गांव पहुंची थी। हालांकि इस दौरान टीम के साथ पुलिस भी मौजूद थी। इस बात का अंदेशा पहले से था कि टीम का ग्रामीणों की ओर से विरोध किया जा सकता है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना जैंत अश्वनी कुमार, एसआई आकाश चौहान, एसआई पवन कुमा थाना जैंत आदि थे।

प्रांतीय खंड का बड़ा खेल, चौड़ीकरण वाले कचेहरी रोड पर नवीनीकरण

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। प्रांतीय खंड अपने नए-नए कारनामों से लोगों की चर्चा में हमेशा बना रहता है एक नया खेल जो रोड़ चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए मंजूर हो चुका है उसको नवीनीकरण के नाम पर पाट दिया है। गौरतलब है कि कैंट रेलवे स्टेशन से टैंक चौराहे तक और टैंक चौराहे से गोकुल बैराज मोड़ तक शासन ने इस वीवीपीआई रोड होने के कारण करीब 4.40 करोड रुपए बजट आवंटित कर दिया है इस रोड पर निविदा की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है जिसमें दो फर्म श्री कृष्णा इंफ्रास्ट्रक्चर और मैसेज नेशनल हाईवे इंफास्ट्रक्चर द्वारा निविदा की पूरी प्रक्रिया हो चुकी है। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में इसमें काम शुरू होने की संभावना है। इस पूरी प्रक्रिया को लेकर आकाशदीप इंफ्रास्ट्रक्चर ने शासन से शिकायत की है। लेकिन प्रांतीय खंड ने बड़ा कारनामा करते हुए इसी रोड पर नवीनीकरण भी कर दिया है। क्योंकि2024-25 वित्तीय वर्ष 31 मार्च को खत्म होने वाली है। पैसा सरेन्डर नहीं करना पड़ जाए, इसीलिए नवीनीकरण के नाम पर भी बड़ा खेल हो रहा है रोड पर कहीं -कहीं तो सिर्फ तारकोल का लेप कर दिया है। और जगह जगह तो 1 से 2 सेंटीमीटर ही गिट्टी डाली है। विभाग में बचे हुए पैसे का बंदरबांट करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं उच्च अधिकारी अपनी आंखें बंद किए हुए हैं जिससे इनकी हिस्सेदारी इनके पास पहुंच जाती है विभाग के कर्मचारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया नवीनीकरण में 10 एम एम की गिट्टी प्रयोग में लाई जाती है रोड पर बड़ी मोटी परत तारकोल और गिट्टी की डाली जाती है।

यह पूरा मामला मेरी संज्ञान में नहीं है दिखवाता हूं।

नरेंद्र कुमार यादव चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी आगरा

इस रोड पर नवीनीकरण किया जा रहा है अगर कोई गडबड है।तो दिखवाता हूं ।

सीपी सिंह अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी आगरा

विश्व क्षय रोग दिवस पर जिले की 102 ग्राम पंचायत टीब मुक्त घोषित

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। विश्व क्षय रोग दिवस के उपलक्ष्य में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बीएसए कॉलेज के श्यामा चरण स्मृति सभागार में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 102 ग्राम पंचायत के प्रधानों को प्रशस्ति पत्र और गांधीजी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस समारोह में जनपद मथुरा की उन ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया जिन्होंने क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ इस लड़ाई में अभूतपूर्व योगदान दिया है। जिलाधिकारी ने सभी ग्राम प्रधानों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग गांवों को स्वच्छ रखने के लिए मिलकर प्रयास करें जिससे कि टीबी या अन्य कोई भी बीमारी न फैले और सभी जनपदवासी स्वस्थ्य रहें। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे गांवों को टीबी से पूरी तरह मुक्त करना है। इसके लिए कुछ आवश्यक सूचकांक निर्धारित किए गए हैं, जैसे टीबी के नए मामलों का शून्य होना, मरीजों का पूर्ण उपचार, और समुदाय में जागरूकता व रोकथाम के उपायों का प्रभावी कार्यान्वयन। इस अवसर पर परियोजना निदेशक अरुण कुमार उपाध्याय, बीएसए कॉलेज के प्राचार्य डॉ ललित मोहन शर्मा, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ संजीव यादव , डॉ भूदेव सिंह, डॉ रोहिताश , डॉ पारुल शर्मा, आलोक तिवारी तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

24 पंचायतों को सिल्वर, 78 ब्रॉन्ज मेडल दिया गया

सीएमओ ने कहा कि हमें गर्व है कि इस वर्ष जनपद मथुरा में कुल 102 ग्राम पंचायतों ने इन मानकों को पूरा कर टीबी मुक्त का दर्जा हासिल किया। इनमें से 78 ग्राम पंचायतों को ब्रॉन्ज मेडल और 24 को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया जा रहा है । यह उपलब्धि पिछले वर्ष 2023 की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है, जब हमने 54 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया था। उन्होंने कहा कि यह सफलता आम सहभागिता के बिना संभव नहीं थी।

सपा सांसद के घर पर हमला करने वाली करणी सेना पर कार्यवाही की मांग

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा संसद में राणा सांगा आरोप लगाते हुए दिए गए बयान के विरोध में जहां पूरे भारतवर्ष में करणी सेना, हिन्दु संगठनों के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी भी अपने सांसद को बचाने में उतर आई है और जगह जगह प्रदर्शन कर करणी सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस संबंध में समाजवादी पार्टी के द्वारा जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। प्रदर्शन कर रहे सपा के नेताओ ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा संसद में मेवाड़ के राजा राणा सांगा पर दिए गए बयान के विरोध में करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने पुलिस बल की उपस्थिति में आगरा स्थित रामजीलाल सुमन के मकान पर तोड़फोड़ करते हुए मकान को ध्वस्त करने का प्रयास किया गया। वहां पर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। यही नहीं सपा सांसद के परिवार के लोगों को जान से मारने का प्रयास किया गया और जाते समय पुनरूजान से मारने की धमकी दी। जबकि श्री सुमन ने पहले ही कहा था कि उनका मकसद किसी की भावना को ठेस पहुंचाना अथवा किसी महापुरुष का अपमान करना नहीं था फिर भी लोग हिंसा पर उतारू हो गए। बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी के नेतृत्व में समाजवादियों द्वारा राजकीय छात्रावास से पैदल मार्च प्रदर्शन कर जिलाधिकारी कार्यालय पर राष्ट्रपति के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार को सौंपा। बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के प्रदेश सचिव होरी लाल व अम्बेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष सचिन पहलवान ने संयुक्त रूप से कहा कि दोषियों के विरोध कठोर कार्यवाही नही की गई तो समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी पार्टी के निर्देश अनुसार उत्तर प्रदेश में दलित पिछड़ा अल्पसंख्यकों और महिलाओं की सुरक्षा हेतु व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान देवकीनंदन कश्यप महानगर अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग, जसवंत सिंह कुशवाहा उपाध्यक्ष अम्बेडकर वाहिनी, विशाल पाराशर उपाध्यक्ष छात्र सभा, मुकेश सैनी महानगर सचिव, अनिल निषाद विधानसभा अध्यक्ष, राजगब्बर महानगर सचिव, राजू सिंह, पीतम सैनी, कृष्णा सैनी आदि मौजूद रहे।

डीआईजी ने एसडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण,अपराध नियंत्रण कानून व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज । कोशी प्रक्षेत्र के डीआईजी मनोज कुमार ने शनिवार को त्रिवेणीगंज एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उनके साथ सुपौल एसपी शैशव यादव भी मौजूद थे। निरीक्षण के क्रम में डीआईजी ने कार्यालय में संधारित विभिन्न पंजियों का अवलोकन किया और लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने एसडीपीओ विपिन कुमार सहित केस के आईओ और थानाध्यक्षों को आवश्यक निर्देश दिए,जिससे मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके। डीआईजी ने इस दौरान कई अहम निर्देश दिए हैं उन्होंने अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि

बिना अनुमति डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। डीजे संचालकों की सूची तैयार की गई है और उन्हें पुलिस से अनुमति लेनी होगी। बिना पुलिस अनुमति के डीजे बजाने पर उपकरण जब्त कर लिए जाएंगे,जो वापस नहीं किए जाएंगे। युवाओं में बढ़ती नशे की लत स्मैक,कोरेक्स,नशीली दवाइयों, आदि के सेवन पर नियंत्रण के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है। तस्करों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी,साथ ही उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति जब्त की जाएगी। इससे प्रभावित युवाओं व परेशान अभिभावकों की मदद व्यक्तिगत और संस्थागत रूप से कैसे किया जाए इसकी रणनीति बनाई गई है इसको लेकर एनजीओ,हॉस्पिटल और बुद्धिजीवियों के सहयोग से योजना बनाकर उसे बाहर निकालने की कोशिश की जाएगी।उन्होंने यातयात नियमों की अनदेखी और शहर को जाम से निजात दिलाने के मुद्दे पर निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में ट्रैफिक थाना की स्थापना हो चुकी है और उसके लिए जमीन भी चिन्हित कर ली गई है। फिलहाल,सुपौल और पिपरा में ट्रैफिक पुलिस तैनात की गई है,और जल्द ही त्रिवेणीगंज में भी इसकी शुरुआत होगी। बढ़ते जमीनी विवाद के घटना पर लगाम लगाने के लिए उन्होंने स्पष्ट रूप कहा है कि अगर कोई व्यक्ति बिना न्यायालय के आदेश के किसी के भी वर्षों से दखल कब्जे की जमीन को जबरन कब्जाने का प्रयास करता है, तो उस पर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही।उन्होंने कहा कि ईद और रामनवमी की दोनों त्योहारों को लेकर प्रशासन सतर्क है। बिना लाइसेंस के जुलूस निकालने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं, लाइसेंसी जुलूस के आयोजकों की जिम्मेदारी होगी कि वे इसे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संचालित करें।निरीक्षण के बाद डीआईजी मनोज कुमार ने पत्रकारों से बातचीत की और जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आम जनता से प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने निरीक्षण उपरांत फरियादियों से भी मुलाकात किए और उनके शिकायतों पर अविलंब कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

नवरात्रि में मांस-मछली की दुकानें बंद कराने हेतु विश्व हिन्दू महासंघ ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/रिठौरा-नवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र में मांस-मछली की दुकानों को बंद रखने और शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर विश्व हिन्दू महासंघ रिठौरा टीम के पदाधिकारियो ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जिलाउपाध्यक्ष मनोज कश्यप ,धर्माचार्य प्रोकोष्ठ के अध्यक्ष महंत तुलसीदास महाराज,नगर अध्यक्ष पोशाकी साहू,महामंत्री विनोद कश्यप ने थाना प्रभारी मिलकर निवेदन किया कि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालु उपवास एवं पूजन-अर्चना करते हैं। ऐसे में मांस-मछली की बिक्री की उपलब्धता धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है। ज्ञापन में मांग की गई कि 30 मार्च से 7 अप्रेल तक क्षेत्र में इन दुकानों को पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इस अवसर पर वि हिन्दू परिषद के जिला उपाध्यक्ष व सभासद मनोज कश्यप ने कहा, नवरात्रि के दौरान पूरा माहौल भक्तिमय होता है। ऐसे में इस तरह की चीजों की बिक्री से आस्था प्रभावित होती है। प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। पुलिस प्रशासन ने संघठन की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।